

न्यायालय अतिरिक्त जिला कलक्टर, डीडवाना(नागौर)
पीठासीन अधिकारी : रिछपाल सिंह बुरड़क, आर०ए०एस०

अपील संख्या 68/2019

1-सोहन कवर पत्नी श्री जयसिंह नाथावत जाति राजपुत निवासी किशोर पुरा हाल
निवासी नावां तहसील नावां जिला नागौर, राज०।

.....अपीलान्ट

बनाम

1.-पटवारी हल्का नावां, तहसील नावां जिला नागौर

.....रेस्पोंडेन्ट

उपरिथत अधिवक्ता-

1-श्री भैरोसिंह शेखावत, श्री नागपालसिंह, श्री नरेन्द्रसिंह, श्री शेरसिंह, अधिवक्तागण
अपीलान्ट की ओर से ।

अपील विरुद्ध निर्णय द्वारा पीठासीन अधिकारी ओम प्रकाश शर्मा तहसीलदार
बअनुवान सरकार जरिये पटवारी हल्का, नावां बनाम सोहन कवर , मु०सं० 36/19
निर्णय दिनांक : 05.07.2019 अन्तर्गत धारा 91 एल.आर.एक्ट का निरस्त करने
बाबत ।

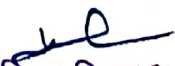
अन्तर्गत धारा 75 एल.आर.एक्ट

निर्णय

दिनांक :08.02.2021

{1} -मामलें के सक्षिप्त में तथ्य इस प्रकार है कि अपीलान्ट ने यह अपील धारा 75
राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 के तहत तहसीलदार नावां द्वारा 91 राजस्थान
भू-राजस्व अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण संख्या 36/2019 सरकार बनाम सोहन
कवर में निर्णय दिनांक 05.07.2019के तहत मौजा ग्राम सांभर झील नावां के खसरा
नं० 01 रकबा 01.52 हैक्टर किस्म गै०मु० झील भूमि पर नमक क्यार बनाकर
अतिक्रमण करने व पूर्व में भी सम्वत 2074 में अतिक्रमण करने पर अप्रार्थी के
खिलाफ भौतिक रूप से वेदखली व शारित तथा पश्चातवर्ती अतिक्रमण करने का
दोषी होने से अप्रार्थीया के खिलाफ राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा




अतिरिक्त जिला कलक्टर
डीडवाना

91 (3) के तहत अप्रार्थीया को तीन माह के सिविल कारावास की सजा के दण्ड से दण्डित किया गया तथा भौतिक रूप से वेदखली व लगान दर का 50 गुणा से 304/- रू0 अक्षरे तीन सौ चार रूपये की शास्ती आरोपित की गयी। उक्त निर्णय से असन्तुष्ट होकर दिनांक 15.07.2019 को अप्रार्थीयां द्वारा इस न्यायालय में अपील प्रस्तुत की गयी। अपीलान्त की अपील दिनांक 15.07.2019 को दर्ज रजिस्टर की जाकर रेस्पोंडेन्ट को जरिये सम्मन सुनवाई हेतु तलब किया गया। अधिनस्थ न्यायालय का रिकोर्ड मंगाया गया। अपीलान्त द्वारा अपनी अपील के समर्थन में विक्रय पत्र की फोटों प्रति, अधिनस्थ न्यायालय के निर्णय 05.07.2019 की फोटोप्रति, अधिनस्थ न्यायालय के प्रकरण संख्या 36/2019 सरकार बनाम सोहन कवर के फर्द अहकाम दिनांक 17.06.2019 से 31.07.2019 की फोटोप्रति, पटवारी हल्का नावां की रिपोर्ट की फोटोप्रति, फर्द बेदखली की फोटोप्रति, नोटिस की फोटोप्रति, अपीलार्थी के नामान्तरण कब्जा सुदा भूमि की प्रमाणित नकल व जमाबन्दी व नशा की प्रति पेश की गयी।


{2} -वकील अपीलान्त की बहस सुनी गयी। वकील अपीलान्त ने अपनी अपील के तथ्यों को दोहराते हुए तर्क दिया है कि:-

{2}(1) -यह है कि योग्य अधीनस्थ न्यायालय का निर्णय एवं दण्डादेश अधीन अपील कानून के प्रतिपादित सिद्धान्तों के विपरीत होने से अपास्त किये जाने योग्य है।

{2}(2) -यह है कि अपीलार्थीया के विरुद्ध अधीनस्थ न्यायालय द्वारा दिनांक 17.06.2019 को जारी नोटिस दिनांक 02.07.2019 की पेशी हेतु जारी किया गया। उक्त नोटिस अपीलार्थी को कभी नहीं मिला एवं उक्त नोटिस पर अपीलार्थी का स्थायी पता ग्राम किशोरपुरा तहसील सांगानेर है। जबकी निर्णय में तामिल खाड़े पर बने खुले मकान पर चस्पा बताया है दोनों बातों में विरोधाभास होने से निर्णय अपास्त होने योग्य है। तहसील नांवा पर जारी किया गया नोटिस की तामिल आबाद मकान

पर चस्पानगी में बताया गया।




अतिरिक्त जिला कलेक्टर
डीडवाना

{2}(3) – यह है क उक्त नोटिस पर दो मोतवरान कालुराम पुत्र बालुराम जाति कुमावत निवासी जाब्दीनगर होना बताया गया है, जबकि अपीलार्थी के गांव में करीब 20-25 किमी दूर के व्यवित है। उक्त नोटिस चस्पानगी भी कानून के विरुद्ध जाकर करवाये है। जिससे अपील स्वीकार की जाने योग्य है।

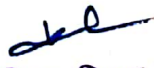
{2}(4) – यह है कि अपीलार्थीया को उक्त प्रकरण की जानकारी कभी भी अधीनस्थ न्यायालय द्वारा प्रोपर तरीके से नहीं दी गई एवम न ही अपीलार्थी को उक्त प्रकरण की लेस मात्र जानकारी ही थी। अपीलार्थीया को उक्त प्रकरण की जानकारी दैनिक अखबार द्वारा दिनांक 06.07.2019 को ही प्राप्त हुई। जिस पर अधीनस्थ न्यायालय में पत्रावली की प्रमाणित प्रतिलिपि प्राप्त करने पर उक्त आलौच्य निर्णय की जानकारी हुई। अधीनस्थ न्यायालय ने कानून को ताक में रखकर केवल राजनैतिक द्वैषता वशं निर्णय किया है, जो काबीले निरस्त है।

{2}(5) – यह है कि अपीलार्थीया आज दिन तक अपने खरीदशुद्धा भूमि खसरा नं0 143 व 144 पर ही काबिज है, जो पूर्व खातेदारों अकनिता शर्मा व अनिल माटालिया जातिगण ब्राहमण समस्त निवासी सुजानगढ से जरिये पंजिकृत विक्रय पत्र से दिनांक 29.11.2012 को खरीद की एवं उक्त भूमि अपीलार्थीया के नाम से राजस्व रिकार्ड में दर्ज है।

{2}(6) – यह है कि अपीलार्थीया को रिकोर्ड में दर्ज भूमि के अलावा उससे उधिक या किसी भी सरकारी भूमि पर क इंच भूमि पर भी अतिक्रमण नहीं कर रखा है। मौके पर अपीलार्थीया स्वयं कर भूमि पर ही काबिज है। परन्तु अपीलार्थीया को अधिनस्थ न्यायालय ने बिना जानकारी व बिना किसी विधिक कार्यवाही किये ही एक पक्षीय निर्णय कर दिया जो विधि विरुद्ध है जिससे भी यह अपील स्वीकार की जाने योग्य है।

{2}(7) – यह है कि अपीलार्थीगण को उक्त प्रकरण के अलावा सम्वत् 2074 या कभी अतिक्रमण बाबत न तो नोटिस ही दिया, न ही अपीलार्थी ने कसी सरकारी




अतिरिक्त जिला कलेक्टर
डीडवाना

भूमि पर ही अतिक्रमण किया था या है एवं पश्चातवर्ती निर्णय की पत्रावली भी उक्त पत्रावली के साथ संलग्न नहीं है। इसलिए अपीलार्थी पश्चातवर्ती अतिक्रमण की श्रेणी में नहीं आता है एवं उक्त प्रकरण संबंधि कोई भी दस्तावेज उक्त पत्रावली में भी नहीं है। जिससे भी यह अपील स्वीकार की जाने योग्य है।

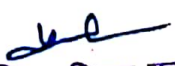
{2}(8) – यह है कि उक्त प्रकरण में पत्रावली में कभी भी वहस हेतु नियत नहीं की गयी एवं ऑडरशीट में वहस अन्तिम कभी भी नहीं लिखा हुआ है। जिससे स्पष्ट होता है कि अधीनस्थ न्यायालय ने राजनैतिक द्वेषता वंश उक्त निर्णय किया जो काबिले निरस्त है।

{2}(9) – यह है कि परिवादी हल्का पटवारी ने अपने परिवाद के समर्थन में बयान अवश्य लिखे है परन्तु पटवारी हल्का ने किस धारा के अन्तर्गत बयान किये है नहीं लिखा ताकी उक्त बयान पर पीठासीन अधिकारी क हस्ताक्षर भी नहीं है। पटवारी हल्का द्वारा कोई दस्तावेज या पश्चातवर्ती आदेश बाबत कोई भी दस्तावेज प्रदर्शित करवाये कोई भी दस्तावेज कानूनन महत्व नहीं है। जिससे भी यह अपील स्वीकार होने योग्य है।

{2}(10) – यह है कि अपीलार्थीया वरिष्ठ नागरिक की श्रेणी में है एवं घरेलु महिला भी है इसलिए भी उक्त निर्णय करने से पूर्व अपीलार्थीया को कानूनन अपना पक्ष रखने का सम्पूर्ण अवसर दिया जाकर ही निर्णय किया जाना न्यायोचित व विधिसंबत प्रतित होता परन्तु अधीनस्थ न्यायालय ने नि सुनवाई का मौका देकर विधि के विरुद्ध व राजनैतिक द्वेषता से निर्णय दिया जससे भी अपील स्वीकार होने योग्य है।

{3} – वहस पर मनन किया गया। पत्रावली पर उपलब्ध रिकोर्ड का अवलोकन किया गया। पटवारी हल्का नावां व भू0अ0निरीक्षक नावां की रिपोर्ट, अनुसार अप्रार्थी द्वारा ग्राम साभंर झील, नावां के खसरा नम्बर 1 रकबा 01.52 हैक्टर किस्म गै0मु0 झील पर नमक क्यार, बनाकर अतिक्रमण किया है, तथा पूर्व मे भी सम्वत 2074 से अतिक्रमण करना पत्रावली संख्या 24/18 रिकार्ड पर उपलब्ध होने से साबित है कि अप्रार्थी पश्चातवर्ती अतिक्रमी है। आदेश जैर अपील पारित करने से पूर्व अपीलान्त को विधिवत नोटिस दिया गया है। अपीलान्त का अधीनस्थ न्यायालय में नोटिस बाद



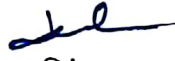

अतिरिक्त जिला कलक्टर
डीडवाना

सूचना के अनुपस्थित होना अभिलेख से साबित होता है। नाटिस चस्पादंगी के दो मोतबरान के हस्ताक्षर है। उक्त गै0मु0 झील सरकारी भूमि है जिस पर किसी व्यक्ति द्वारा कब्जा किया जाना कानूनन अपराध की श्रेणी में आता है। अप्रार्थी ने 01.08.19 की पटवारी हल्का नावां की मौका बेदखली फर्द रिपोर्ट भी पेश की है, जिसके अनुसार मौके पर से अतिक्रमित रकवा से अतिक्रमी ने स्वयं कब्जा हटा लिया जाना अंकित किया है, जिससे हस्तगत सिवायचक भूमि को उसके द्वारा कब्जे राज भी ले लिया गया है। जिसमें 3 माह का सिविल कारावास भी दिया गया है। इस प्रकार अपीलान्त ने स्वयं राजकीय भूमि से स्वतः कब्जा हटा लिया जाने से सहानुभूतिपूर्वक 3 माह के सिविल कारावास की सजा को माफ किया जाना उचित होने से अधिनस्थ न्यायालय का फैसला बेदखली एवं जुर्माना का आदेश यथावत रखा जाना उचित है।

∴ आ दे श ∴


अपीलान्त की अपील पर सहानुभूति पूर्वक विचार किया जाकर अधिनस्थ न्यायालय के आदेश दिनांक 05.07.2019 में दी गयी 3 माह की सिविल कारावास की सजा निरस्त करते हुवे अधिनस्थ न्यायालय का बेदखली एवं जुर्माना का आदेश यथावत रखा जाता है।




(रिछपाल सिंह बुरडक)
अतिरिक्त जिला कलक्टर
डीडवाना (उ.प्र.)

निर्णय आज दिनांक 08.02.2021 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुद्रा से जारी कर खुले न्यायालय में सुनाया गया।




(रिछपाल सिंह बुरडक)
अतिरिक्त जिला कलक्टर
डीडवाना (उ.प्र.)